आईपीएल : वापसी, विवाद और करोड़ों की जंग !

मेगा डील, नई कप्तानी, सख्त सुरक्षा और बदली रणनीतियों के साथ शुरू होगा सीजन

- राजस्थान रॉयल्स 15,290 करोड़ में बिकी
- चेन्नई की नई ओपनिंग : गायकवाड़-सैमसन
- एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बिना टिकट एंट्री पर सख्ती

नयी दिल्ली, 26 मार्च इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का सीजन शुरू होने से पहले ही सुर्खियों में छा चुका है. इस बार सिर्फ मैदान पर मुकाबले नहीं होंगे, बल्कि खिलाड़ियों की वापसी, टीमों की रणनीति, रिकॉर्ड तोड़ निवेश और सुरक्षा इंतजाम- सब मिलकर इसे अब तक का सबसे हाई-वोल्टेज सीजन बना रहे हैं.

आईपीएल 2026 की शुरुआत से ठीक पहले क्रिकेट जगत में हलचल तेज हो गई है. हर टीम अपनी तैयारी के अंतिम चरण में है, वहीं कई बड़े फैसले और घटनाएं इस सीजन को खास बना रही हैं. आईपीएल 2026 की दूसरी सबसे बड़ी खबर बिजनेस से जुड़ी है. राजस्थान रॉयल्स को करीब 15,290 करोड़ रुपये में खरीदा जाना इस लीग की आर्थिक ताकत को दर्शाता है. 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में खरीदी गई टीम की वैल्यू का इस स्तर तक पहुंचना ब्रांड वैल्यू में भारी उछाल का प्रमाण है. राजस्थान रॉयल्स इस बार नए कप्तान रियान पराग के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी. यह टीम अब ट्रांजिशन फेज में है, जहां युवा खिलाड़ियों पर ज्यादा भरोसा किया जा रहा है. पराग के लिए यह सबसे बड़ा मौका है, जहां उन्हें अपनी कप्तानी और प्रदर्शन दोनों से खुद को साबित करना होगा.

अगर बात करें कोलकाता नाइट राइडर्स की, तो यहां लीडरशिप को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा है. गौतम गंभीर के जाने के बाद टीम में वह स्थिरता नहीं दिख रही है, जिसने उसे पहले मजबूत बनाया था. एक्सपर्ट्स का मानना है कि सिर्फ कप्तान ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में लीडरशिप स्ट्रक्चर मजबूत होना जरूरी है.

इस बार आईपीएल में रणनीति का खेल भी पहले से ज्यादा अहम होने वाला है. टीमें अब सिर्फ बड़े नामों पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि डेटा, मैचअप और परिस्थितियों के हिसाब से प्लेइंग तय कर रही हैं.

सुरक्षा के लिहाज से भी इस बार आईपीएल अलग स्तर पर नजर आ रहा है. बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बिना टिकट एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है. पुलिस ने साफ कर दिया है कि किसी भी तरह की भीड़ स्टेडियम के बाहर इकट्ठा नहीं होने दी जाएगी.

पिछले साल हुई दुखद घटना के बाद इस बार सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा रहा है. मेट्रो और बस सेवाओं को बढ़ाया गया है और ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए खास प्लान तैयार किया गया है.

इतिहास पर नजर डालें तो मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स सबसे सफल टीमें रही हैं, जिन्होंने पांच-पांच बार खिताब जीता है. इस बार भी ये दोनों टीमें मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं, लेकिन युवा कप्तानों और नई रणनीतियों के चलते मुकाबला और भी कड़ा होने वाला है.

कंट्रोवर्सी की बात करें तो आईपीएल हमेशा से चर्चा में रहता है और इस बार भी कुछ मुद्दे पहले से ही गर्म हैं. खिलाड़ियों की फिटनेस, टीम चयन, वर्क एथिक्स और बड़े ट्रेड्स को लेकर बहस जारी है. सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने खिलाड़ियों पर दबाव भी बढ़ा दिया है. एक खराब प्रदर्शन के बाद तुरंत आलोचना शुरू हो जाती है, जिससे कई खिलाड़ी मानसिक दबाव में आ जाते हैं. यही वजह है कि अब खिलाड़ी मानसिक फिटनेस पर भी उतना ही ध्यान दे रहे हैं, जितना अपने खेल पर.

> आईपीएल 2026 सिर्फ एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच बन चुका है जहां खेल, पैसा, ग्लैमर और इमोशन सब एक साथ नजर आते हैं. इस बार जहां अनुभवी खिलाड़ी अपनी विरासत को मजबूत करने उतरेंगे, वहीं युवा खिलाड़ी खुद को साबित करने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे. अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि कौन सी टीम दबाव को संभाल पाएगी, कौन सा खिलाड़ी स्टार बनकर उभरेगा और कौन सी कहानी इस सीजन को यादगार बना देगी.

ब्रेक ने बनाया मानसिक रूप से मजबूत : पृथ्वी शॉ

सबसे ज्यादा चर्चा पृथ्वी शॉ की वापसी को लेकर है, जिन्होंने खराब फॉर्म और आलोचनाओं के बाद अब नई ऊर्जा के साथ मैदान में उतरने का दावा किया है. पिछले दो सीजन शॉ के लिए बेहद कठिन रहे. 2023 और 2024 में उनका बल्ला खामोश रहा और उन्हें दिल्ली कैपिटल्स की प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया.

इतना ही नहीं, घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें जगह गंवानी पड़ी. लेकिन इस बार शॉ पूरी तरह बदले हुए नजर आ रहे हैं. उन्होंने खुद माना कि उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनने के लिए ब्रेक की जरूरत थी. इस दौरान उन्होंने क्रिकेट से दूर रहकर खुद पर काम किया, ट्रैवल किया और सोशल मीडिया से दूरी बनाई. अब उनका कहना है कि वह पहले से ज्यादा फोकस्ड और तैयार हैं. हालांकि, उनकी राह आसान नहीं होगी, क्योंकि टीम में ओपनिंग के लिए कड़ी

चेन्नई सुपर किंग्स ने भी बड़ा फैसला लेते हुए अपनी ओपनिंग जोड़ी तय कर ली है. कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ इस बार संजू सैमसन ओपनिंग करते नजर आएंगे. यह बदलाव इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम के पास युवा प्रतिभाएं भी मौजूद हैं, जिन्हें अब मिडिल ऑर्डर में नई भूमिका निभानी होगी. चेन्नई सुपर किंग्स हमेशा से अपनी स्थिरता और अनुभव के लिए जानी जाती है, लेकिन इस बार टीम ने नए कॉम्बिनेशन के साथ जोखिम उठाया है.

गंभीर ऊंचे स्टैंडर्ड तय करते हैं : : फाफ डु प्लेसिस

कोलकाता नाइट राइडर्स पिछले टाटा आईपीएल सीजन में पॉइंट्स टेबल के दूसरे हाफ में रही थी, और नए हेड कोच अभिषेक नायर के लिए काम बहुत होगा. जियो स्टार के 'आईपीएल टुडे लाइव' पर बात करते हुए, जियो स्टार एक्सपर्ट फाफ डु प्लेसिस और आकाश चोपड़ा ने केकेआर ड्रेसिंग रूम में गौतम गंभीर की गैरमौजूदगी, सिर्फ कैप्टन से आगे लीडरशिप की भूमिका, और हेड कोच के तौर पर अपने पहले सीजन में नायर के लिए चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए. फाफ डू प्लेसिस ने एक लीडर के तौर पर गौतम गंभीर के बारे में अपनी राय साझा की, क्योंकि वे उनके खिलाफ कई बार खेल चुके हैं. उन्होंने कहा, 'गंभीर के बारे में मेरा नज़रिया साफ़ तौर पर उन लोगों से बहुत अलग है जो उनके साथ खेलते हैं. जब उनके खिलाफ खेलने की बात आती है तो वह हमेशा कहानी में विलेन होते हैं, लेकिन आप इसकी इज्जत करते हैं. और मुझे लगता है कि गौतम गंभीर के साथ यही खास बात है, वह बहुत कॉम्पिटिटिव हैं. वह एक सेकंड के लिए भी इस बात की चिंता नहीं करते कि कोई उन्हें पसंद करेगा या नहीं. एक लीडर के तौर पर उनका काम ऊंचे स्टैंडर्ड सेट करना और ड्रेसिंग रूम में अकाउंटेबिलिटी रखना है. इसलिए, बाहर से, उनके खिलाफ खेलने वाले एक साथी लीडर के तौर पर, आप उन्हें हराना चाहते हैं क्योंकि वह विरोधी टीम के तौर पर खुद को जिस तरह से पेश करते हैं, लेकिन आप इस बात की इज्जत करते हैं कि वह इतने ऊंचे स्टैंडर्ड सेट करते हैं. अच्छे लीडर यही करते हैं, और उन्होंने जिस दिन से खेलना शुरू किया है, उसी दिन से यह बनाया है. अगर आप उनका रिकॉर्ड देखें, तो आपको अपनी टोपी उतारकर कहना होगा, लीडरशिप के नज़रिए से, उनके साथ केकेआर एक मज़बूत टीम थी.' किसी फ्रेंचाइज में लीडरशिप के लिए कैप्टन ही सब कुछ क्यों नहीं है इस पर फाफ डु प्लेसिस ने कहा, 'जब लोग किसी ऑर्गनाइज़ेशन या टीम में लीडरशिप को देखते हैं, तो हमेशा कैप्टन के बारे में सोचते हैं. हाँ, कैप्टन का एक रोल होता है, लेकिन मेरे लिए, यह ऊपर से नीचे तक जाता है. तो, यह आपके मालिक, कोच और टीम के अंदर लीडरशिप ग्रुप होते हैं. जब आप एमआई, सीएसके और केकेआर जैसी सफल टीमों को देखते हैं, तो वहाँ गौतम के साथ श्रेयस अय्यर, या धोनी के साथ फ्लेमिंग होते हैं.

एक नजर में

आरसीबी डील बताई गई बात से कहीं ज्यादा बड़ी

बेंगलुरु. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ब्लॉकबस्टर सेल के बारे में आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने गुरुवार को कहा कि यह डील बताई गई बात से कहीं ज्यादा बड़ी और महंगी है. हालांकि 1.78 बिलियन डॉलर के हेडलाइन आंकड़े पर चर्चा हो रही है, लेकिन मोदी ने कहा कि असल फाइनेंशियल खर्च कुछ और ही कहानी कहता है. उनके मुताबिक, सभी चीज़ों को जोड़ने के बाद, कुल पेमेंट लगभग 1,936 बिलियन डॉलर हो जाता है, जिससे यह डील दो बिलियन डॉलर के करीब पहुंच जाती है. उन्होंने बताया कि बोर्ड ऑफ़ कंट्रोल फ़ॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई) को दी जाने वाली पांच परसेंट ट्रांज़ैक्शन फ़ीस बेस वैल्यूएशन से ज़्यादा कॉस्ट को काफ़ी बढ़ा देती है. इसके अलावा, आरसीबी महिला टीम की एक्विजिशन कॉस्ट और कई सालों में फैले स्ट्रक्चर्ड पेमेंट से कुल खर्च और बढ़ जाता है. मोदी ने करेंसी डेप्रिसिएशन को भी एक वजह बताया, और कहा कि रुपये में उतार-चढ़ाव ने भारतीय टर्म्स में ट्रांज़ैक्शन की इफ़ेक्टिव वैल्यू को बढ़ाकर लगभग 18,200 करोड़ रुपये कर दिया है. यह कमेंट्स तब आए हैं जब आदित्य बिड़ला ग्रुप की लीडरशिप वाले एक कंसोर्टियम ने यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड से रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में 100 परसेंट स्टेक खरीदा है, जिसे पहले से ही आईपीएल हिस्ट्री की सबसे हाई-प्रोफाइल डील्स में से एक माना जा रहा है.

बेंगलुरु एफसी ने पेप मुनोज को हेड कोच बनाया

बेंगलुरु. बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को क्लब का नया हेड कोच बनाया है. मुनोज ने 2026/27 सीजन के आखिर तक ब्लूज़ के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है और वे फर्स्ट टीम की ज़िम्मेदारी संभालेंगे क्योंकि क्लब सबसे ऊँचे लेवल पर मुकाबला जारी रखना चाहता है. मुनोज प्लेयर डेवलपमेंट और एलीट-लेवल कोचिंग में अच्छे अनुभव के साथ बेंगलुरु आए हैं. उन्होंने पहले एफसी बार्सिलोना के यूथ सेटअप में बार्सा अंडर19 और बार्सिलोना बी के साथ काम किया है, और चीन की नेशनल फुटबॉल टीम के साथ काम करने के अलावा, उन्होंने किंगदाओ हुआंगहाई और शेडोंग लुनेंग के साथ चीन में भी समय बिताया है. हेड कोच के तौर पर उनका पहला पूरा रोल कंबोडिया में प्रीह खान रीच स्वे रींग के साथ आया, जहाँ उन्होंने दो साल तक कामयाबी से काम किया, जिसमें क्लब ने दो बार लीग और एक बार डोमेस्टिक कप जीता, साथ ही एएफसी चैलेंज लीग के फाइनल में भी पहुँचा. मुनोज के साथ फेरान बोरास भी होंगे, जो बीएफसी के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं.

सुनीत ने जीती अल्फा स्पोर्ट्स गोल्फ चैंपियनशिप

पटना. सुनीत चौरसिया ने चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी की घोषणा की और 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन सीजन के चौथे इवेंट, अल्फा स्पोर्ट्स एकेडमी गोल्फ चैंपियनशिप में कड़ी मेहनत से एक शॉट से जीत हासिल की. इस 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाली चैम्पियनशिप का आयोजन पटना गोल्फ क्लब ने किया था. कोलकाता के सुनीत चौरसिया (71-65-73), जो महान एसएसपी चौरसिया के भतीजे हैं, जो रात भर तीन शॉट से आगे थे, ने तीसरे और आखिरी राउंड में लगातार 73 का स्कोर बनाकर अपना पहला खिताब जीता, क्योंकि उन्होंने इस हफ्ते कुल सात-अंडर 209 का स्कोर किया. इकतीस साल के सुनीत को इस जीत से 3,17,875 रुपये का प्राइज मनी चेक मिला, जिससे वह 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ़ मेरिट में 41वें नंबर से छठे नंबर पर आ गए. बिपिन मुखिया (68-75-67) ने पिछले दिन का बेस्ट स्कोर 67 बनाया, जिससे उन्हें चार स्पॉट का फायदा हुआ और वह सिक्स-अंडर 210 के साथ रनर-अप रहे. बिपिन के दूसरे नंबर पर रहने से उन्हें 2,67,875 रुपये का चेक मिला, जिससे वह नेक्सजेन मेरिट लिस्ट में सातवें से पहले नंबर पर आ गए, क्योंकि उनके इस सीजन की कमाई 5,28,688 रुपये हो गई. दिवेश राणा (68), विनय कुमार यादव (72) और राजेश कुमार गौतम (74) ने तीन-अंडर 213 के साथ संयुक्त तीसरा स्थान हासिल किया.

काउंटी चैंपियनशिप में फिर से सरे टीम के लिए खेलेंगे राहुल

लंदन, 26 मार्च भारत के स्पिनर राहुल चाहर इस गर्मी में होने वाली काउंटी चैंपियनशिप में आठ मैचों के लिए सरे टीम में वापसी करेंगे.

जून में शुरु होने वाली इस चैंपियनशिप में चाहर आखिरी आठ मैचों में खेलते हुए नजर आएंगे, जिसकी शुरुआत सात जून को ओवल में हैम्पशायर के खिलाफ होने वाले मुकाबले से होगी. चाहर ने कहा, 'मैं इस सीज़न में सरे में वापसी को लेकर बहुत उत्साहित हूं. मुझे 2025 में अपना छोटा सा कार्यकाल बहुत पसंद आया था, और जब मैंने एलेक स्टीवर्ट से बात की, तो इस

सीजन में वापसी का मौका मिलते ही मैंने तुरंत हाँ कर दी. सरे एक सफल क्लब है और मैं 2026 में टीम को उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करना चाहता हूं.

मियामी में रायबाकिना आगे, फिल्स ने रचा इतिहास

गॉफ- मुचोवा सेमीफाइनल में आमने-सामने

मियामी, 26 मार्च. मियामी ओपन 226 में गुरुवार को खेले गए मुकाबलों में टेनिस प्रेमियों को हाई-वोल्टेज ड्रामा, शानदार वापसी और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला.

महिला वर्ग में कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी एलेना रायबाकिना ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, वहीं पुरुष वर्ग में फ्रांस के युवा खिलाड़ी आर्थर फिल्स ने चार मैच पॉइंट बचाकर यादगार जीत दर्ज करते हुए सभी को चौंका दिया. महिला एकल क्वार्टरफाइनल में

रायबाकिना और पेगुला के बीच मुकाबला शुरुआत में एकतरफा नजर आया. 32 वर्षीय पेगुला ने पहले सेट में 4-0 की बढ़त लेते हुए 6-2 से सेट अपने नाम किया. उनकी सटीक सर्विस और बेसलाइन गेम ने रायबाकिना को शुरुआती चरण में दबाव में डाल दिया. हालांकि, दूसरे सेट से मैच का रुख पूरी तरह बदल गया. रायबाकिना ने संयम और आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए वापसी की. उन्होंने अपनी सर्विस गेम को मजबूत किया और लगातार 15 ऐस लगाकर पेगुला पर दबाव बनाया.

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 6-2 से हराया

क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में अपना दबदबा किया साबित

मैड्रिड, 26 मार्च फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने स्पेन में महिला फुटबॉल में अपना दबदबा साबित करते हुए यूईएफए महिला चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में रियल मैड्रिड के खिलाफ 6-2 से शानदार जीत दर्ज की.

बुधवार को खेले गये मुकाबले में एवा पाजोर के छठे मिनट में किये गये गोल की बदौलत बार्सिलोना ने खेल पर जल्दी ही अपना नियंत्रण बना लिया. 13वें मिनट तक स्कोर 2-0 हो गया था, जब गोलकीपर मिसा रोड्रिगेज विक्की लोपेज के क्रॉस पर एस्मी ब्रुट्स के फार-पोस्ट हेडर को रोक नहीं पाईं. लिंडा कैसिडो ने कुछ समय के लिए मैड्रिड को मैच में वापस ला दिया; उन्होंने दौड़ लगाते हुए ऑफसाइड ट्रैप को तोड़ा, काटा कोल को छकाया और शांत भाव से गोल कर दिया. लेकिन सिर्फ दो मिनट बाद, इरीन पारेडेस ने एक कॉर्नर से ज़ोरदार हेडर लगाकर बार्सिलोना की दो गोल की बढ़त को फिर से बहाल कर दिया. पाजोर ने 57वें मिनट में फिर से गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया. सात मिनट बाद

लोपेज ने पांचवां गोल किया. कैरोलीन ग्राहम हैनसेन ने दाईं ओर जगह बनाई और गेंद को पीछे की ओर खींचा, जिसके

एशियन गेम्स व्यक्तिगत तौर पर महत्वपूर्ण

रायपुर, 26 मार्च भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि एशियन गेम्स मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वहां मेरा अभी भी कुछ काम शेष है.

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के बुधवार को उद्घाटन समारोह के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में मीराबाई ने कहा, 'एशियन गेम्स मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वहां मेरा अभी भी कुछ अधूरा काम बाकी है. एशियन गेम्स में मुकाबले का स्तर बहुत ऊंचा होता है, जो इसे और भी अधिक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक बनाता है. ' मीराबाई के सामने एक बड़ी चुनौती अपनी वेट कैटेगरी (वजन वर्ग) को एडजस्ट करना रही है.

संवाददाता सम्मेलन में मीराबाई ने कहा

उन्होंने अधिकतर 49किग्रा वर्ग में ही हिस्सा लिया है, लेकिन अब इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग फेडरेशन द्वारा वजन वर्गों में किए गए बदलावों के कारण उन्हें अलग-अलग कैटेगरी के बीच स्विच करना पड़ेगा.

> मीराबाई 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में 48किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लेंगी, और उसके बाद 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में पदक जीतने की एक और कोशिश के लिए वापस 49 किग्रा भार वर्ग में आ जाएंगी. मीराबाई ने बताया, 'मैं कॉमनवेल्थ गेम्स तक अपना वजन 48 किग्रा के अंदर ही रखूंगी, लेकिन उसके दो महीने के अंदर ही एशियन गेम्स होने हैं, जो कि 49किग्रा भार वर्ग में हैं, इसलिए मुझे वापस उसी कैटेगरी में जाना पड़ेगा.'

अंजलि मंडा ने केआईटीजी तैराकी में जीता स्वर्ण

रायपुर, 26 मार्च ओडिशा की किशोरी तैराक अंजलि मंडा ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 की तैराकी स्पर्धा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया. अंजलि ने बुधवार को 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 2:39.02 सेकंड का समय निकालकर उन्होंने स्वर्ण पदक जीता और साथ ही तैराकी की मजबूत टीम कर्नाटक को पहले दिन के सभी छह स्वर्ण जीतने से भी रोक दिया. ओडिशा के जाजपुर जिले के गहिरागड़िया गांव (भुवनेश्वर से लगभग 100 किमी दूर) की रहने वाली अंजलि का पानी से रिश्ता शुरुआत में केवल मजे तक सीमित था, किसी औपचारिक प्रशिक्षण से नहीं. चार भाई-बहनों में सबसे छोटी अंजलि के पिता एक स्थानीय फैक्ट्री में वैन चालक हैं. वह 10 साल की उम्र में कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज(केआईएसएस) पहुंचीं, जहां जनजातीय छात्रों को नि:शुल्क शिक्षा और आवास मिलता है.

कार्यक्रम 4 देशों के खिलाफ 22 मैच, बेंगलुरु में इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी

भारत का घरेलू सीजन शेड्यूल जारी

17 शहरों में 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले होंगे

24 साल बाद भारत में कोई सीरीज खेलेगी जिम्बाब्वे

मुंबई, 26 मार्च. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट टीम के 2026-27 घरेलू सीजन का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया, जिसमें टीम इंडिया चार अलग-अलग देशों के खिलाफ कुल 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी.

यह सीजन न सिर्फ मुकाबलों की संख्या के लिहाज से व्यस्त रहने वाला है, बल्कि कई ऐतिहासिक और भावनात्मक पहलुओं के कारण भी खास बन गया है. इस पूरे कार्यक्रम में 17 अलग-अलग शहरों को मेजबानी दी गई है, जिससे देशभर में क्रिकेट का उत्साह देखने को मिलेगा.

> जनवरी 2027 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम भारत दौरे पर आएगी. यह दौरा इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि जिम्बाब्वे की टीम 24 साल बाद भारत में कोई द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी. कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में तीन वनडे मुकाबले आयोजित किए जाएंगे, जिससे पुराने क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह सीरीज खास मायने रखती है.

भारतीय खाद्य निगम
क्षेत्रीय कार्यालय, चेतक भवन, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल (म.प्र.) 462011
दूरभाष: 0755-2573444, फैक्स : 0755-2573418, ईमेल: gmmp@fci.gov.in
क्र. S&C/15/RTC/ NIT/2026/08 दिनांक: 27.03.2026
निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश से अन्य राज्यों के विभिन्न गंतव्यों हेतु नियमित सड़क परिवहन ठेकेदार (RTC) की दो वर्ष की अवधि हेतु नियुक्ति के लिए Government E Marketing Portal (URL:https://gem.gov.in) पर online प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। कार्य की जानकारी, महत्वपूर्ण तिथियों, ईएमडी एसडी एवं निविदा के बारे में विस्तृत विवरण वेबसाइट www.fci.gov.in & www.gem.gov.in पर उपलब्ध विस्तृत एनआईटी एवं एमटीएफ में देखा जा सकता है। किसी विवाद की स्थिति में निविदा आमंत्रण सूचना का अंग्रेजी रूपांतरण मान्य/वैध होगा।
महाप्रबंधक (क्षेत्र)